आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून उत्तराखण्ड)

बुधवार 16.07.2025 समय 1830

मुख्य समाचार :–

- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा– प्राकृतिक सौंदर्य और जैव विविधता से समृद्ध उत्तराखंड राज्य की रक्षा करना सभी का नैतिक कर्तव्य है।
- प्रदेश में प्रकृति और संस्कृति का उत्सव हरेला की धूम। पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया गया संदेश।
- स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने पौड़ी में टीबी मुक्त अभियान की समीक्षा की।
- अल्मोड़ा के जागेश्वर धाम में प्रसिद्ध श्रावणी मेले का शुभारंभ।

मुख्यमंत्री हरेला

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि उत्तराखंड का लोकपर्व हरेला केवल एक पर्व नहीं, बल्कि प्रदेश की संस्कृति, प्रकृति और चेतना से जुड़ा एक गहरा भाव है, जो पर्यावरण के प्रति हमारी जिम्मेदारियों की याद दिलाता है। मुख्यमंत्री हरेला के अवसर पर आज गोरखा मिलिट्री इंटर कॉलेज परिसर, देहरादून में "हरेला का त्योहार मनाओ, धरती माँ का ऋण चुकाओ" थीम पर आयोजित राज्यव्यापी पौधारोपण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने रुद्राक्ष का पौधा रोपा। उन्होंने कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि लगाए गए पौधों की तब तक नियमित देखभाल की जाए, जब तक वे वृक्ष का रूप न लें। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड प्राकृतिक सौंदर्य और जैव विविधता से समृद्ध राज्य है, जिसकी रक्षा करना हम सभी का नैतिक कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि प्रकृति ही हमारी आस्था, परंपरा और जीवन का आधार है।

हरेला पौड़ी

पौड़ी गढ़वाल में हरेला पर्व पर जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया के नेतृत्व में जिला मुख्यालय सहित जिले के सभी विकासखण्डों में एक साथ वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। इस दौरान विभिन्न प्रजाति के फलदार, चारापत्ती और अन्य पौधों का रोपण किया गया। जिलाधिकारी ने बताया कि आज इस लोकपर्व के अवसर पर जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और वन पंचायतों से जुड़े कई लोगों ने वृहद स्तर पर वृक्षारोपण किया।

गढ़वाल वन प्रभाग के प्रभागीय वनाधिकारी स्वप्निल अनिरुद्ध ने बताया कि हरेला पर्व पर कुल 50 हजार वृक्ष रोपे जाएंगे।

हरेला बागेश्वर

बागेश्वर जिले में वन विभाग के तत्वावधान में नीलेश्वर पहाड़ी की ढलानों पर सैकड़ों पौधे रोपे गए। इस पहल में वन कर्मियों के साथ ही स्थानीय ग्रामीणों, महिलाओं और युवाओं ने भी बढ़–चढ़कर भागीदारी की। सभी ने, न केवल पौधे लगाए, बल्कि उन्हें संरक्षित रखने का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम का नेतृत्व वन रेंजर केवलानंद पांडे और पर्यावरण प्रेमी, वृक्ष पुरुष, किशन सिंह मलडा ने किया। श्री मलडा ने कहा कि हरेला केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि प्रकृति से जुड़े हमारे सांस्कृतिक रिश्तों की पुनर्स्थापना है।
उधर, टिहरी, रुद्रप्रयाग, उत्तरकाशी, अल्मोड़ा और ऊधमसिंह नगर सहित प्रदेश के अन्य जिलों में भी हरेला पर्व पर वृहद पौधारोपण किया गया।

श्रीमद्भगवद गीता

प्रदेश सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत भारतीय ज्ञान परंपरा को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाया है। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में शैक्षिक सत्र 2026–27 से श्रीमद् भगवद्गीता और रामायण को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाएगा। पाठ्यक्रम में भले ही समय लगे, लेकिन नैतिक शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए प्रदेश के सभी स्कूलों में गीता के श्लोकों का वाचन शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सरकार ने शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में तय किया था कि राज्य के सभी स्कूलों में गीता पढ़ाई जाएगी और यह प्रक्रिया शुरू हो गई है।

स्वास्थ्य मंत्री

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने आज पौड़ी के कलक्ट्रेट सभागार में टीबी मुक्त अभियान की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने जिले को टीबी मुक्त करने के लिये स्वास्थ्य विभाग को शिक्षा विभाग सहित अन्य विभागों की मदद लेने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि टीबी मुक्त भारत अभियान में उत्तराखण्ड सबसे आगे है। प्रदेश की 3 हजार 700 ग्राम पंचायतें टीबी मुक्त हैं। पौड़ी जिले की 700 ग्राम पंचायतें टीबी मुक्त हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि जिले में कुल 650 टीबी के मरीज हैं, जिनकी देखरेख जिलाधिकारी की अध्यक्षता में की जा रही है।

श्रावणी मेला जागेश्वर

अल्मोड़ा के जागेश्वर धाम में एक महीने तक लगने वाले प्रसिद्ध श्रावणी मेले की आज से शुरुआत हो गई है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री अजय टम्टा ने मेले का औपचारिक शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी खराब मौसम के कारण मेले के शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके, लेकिन उन्होंने वर्चुअल माध्यम से लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सरकार क्षेत्र के धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व को ध्यान में रखते हुए सुविधाओं के विस्तार पर काम कर रही है। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा ने सभी को हरेला पर्व और श्रावणी मेले की शुभकामनाएं दीं।

इससे पहले केंद्रीय राज्य मंत्री और जिलाधिकारी आलोक कुमार पांडे ने आड़तौला क्षेत्र और जागेश्वर धाम में पौधारोपण किया।